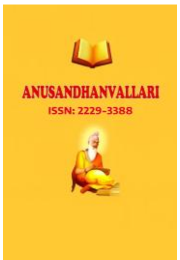

Anusandhanvallari
Vol 2024, No.1
December 2024
ISSN 2229-3388

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन

1. सुरेन्द्र सिंह नाथावत ’

शोधार्थी, शिक्षा विभाग, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत।

2. डॉ. रीटा झाझड़िया

शोध पर्यवेक्षक (प्रोफेसर) , शिक्षा विभाग, अपेक्स विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत।
Corresponding Author: ssnathawat004@gmail.com

शोध सार –

वर्तमान समय में प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का संचालन हो रहा है , जैसे – समग्र शिक्षा अभियान, पी.एम.श्री स्कूल योजना, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना, नई शिक्षा नीति 2020, खेलो इण्डिया स्कूल गेम्स, ई–बस्ता प्रोजेक्ट, स्किल इंडिया, उडान योजना, राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण एवं खोज योजना, स्वयंप्रभा योजना, शाला अस्मिता योजना, ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड, श्रेयस योजना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान एवं प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना आदि जिससे कहीं न कहीं सभी किशोर विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हो रहा है। शोध का प्रमुख उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन करना है। शोध में 'सर्वेक्षण विधि' का चयन किया गया तथा जयपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 600 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया। शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। शोध के निष्कर्ष में प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का स्तर औसत से अधिक पाया गया।

मूल शब्द : शैक्षिक योजना, समग्र शिक्षा अभियान, पी.एम. श्री स्कूल योजना, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना, जागरूकता।

---

1. प्रस्तावना –

मानव विकास का मूल साधन शिक्षा है। शिक्षा ही बालक का सर्वांगीण विकास करती है। बालक के सर्वांगीण विकास के प्रमुख पक्ष ज्ञान भाव एवं क्रिया हैं तथा दोनों का विकास विद्यालय के द्वारा समुचित रूप से किया जाता है। प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में जीवन जीने की कला पर अधिक जोर दिया जाता था। उस समय शिक्षा केन्द्रों गुरुकुल तथा आश्रम में जीवन को उन्नत, सरल तथा समाजोपयोगी बनाने हेतु बालक के ज्ञानात्मक तथा क्रियात्मक पक्ष का पूर्ण रूप से विकास किया जाता था। पहले और आज की परिस्थितियों में बहुत अन्तर आ गया है । द्रुतगामी परिवर्तन, बदलती तकनीकी, बदलते वैचारिक दृष्टिकोण, बदलते ज्ञान का स्वरूप के कारण आज मानवीय जीवन कठिन परिस्थितियों का पुंज बनता जा रहा है। आधुनिक शिक्षा का स्वरूप भी तकनीकी शिक्षा के रूप में रह गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में योजना बनाना आवश्यक है जिसे "शैक्षिक योजना" कहा जाता है जो समकालीन समाज में एक प्रमुख आवश्यकता है। वर्तमान वैज्ञानिक रूप से विकसित और तकनीकी रूप से उन्नत समाज की जटिलताओं ने शिक्षा में योजना की आवश्यकता को विशेष स्थान दिया है।

वर्तमान समय में प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न शैक्षिक योजनाओं का संचालन हो रहा है, जैसे – समग्र शिक्षा अभियान, पी.एम.श्री स्कूल योजना, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना, नई शिक्षा नीति 2020, खेलो इण्डिया स्कूल गेम्स, ई–बस्ता प्रोजेक्ट, स्किल इंडिया, उडान योजना, राष्ट्रीय खेल प्रशिक्षण एवं खोज योजना, स्वयंप्रभा योजना, शाला अस्मिता योजना, ऑपरेशन डिजिटल बोर्ड, श्रेयस योजना, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान एवं प्रधानमंत्री सुकन्या समृद्धि योजना आदि जिससे कहीं न कहीं सभी किशोर विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हो रहा है। इसी की जागरूकता हेतु शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थी जागरूक हो सकें और उन योजनाओं से अपने उज्जवल भविष्य की नींव रख सके।

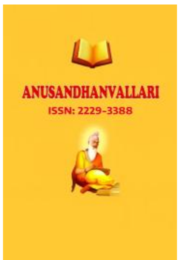

2. शोध अध्ययन का महत्व –

किसी भी अनुसंधान को करने से पूर्व उसकी महत्ता को जानने की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार शोधार्थी ने वर्तमान समय में प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की जागरूकता का अध्ययन एवं उनसे मिलने वाले लाभों को जानने हेतु उपर्युक्त शोध विषय को चुना। मनुष्य में जो सम्पूर्णता गुप्त रूप से विद्यमान है उसे प्रत्यक्ष करना ही शिक्षा का कार्य है। शिक्षा व्यक्ति की उन सभी योग्यताओं का विकास है जिनके द्वारा वह वातावरण पर नियंत्रण रखने तथा अपनी सम्भावनाओं को पूर्ण करने की क्षमता का विकास करता है। शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें बालक अपनी बाल्यावस्था से युवावस्था तक शिक्षा द्वारा विभिन्न जीवन कौशलों का विकास करता है। बालक को प्राप्त सामाजिक प्रोत्साहन एवं स्वयं की सोच उसे विभिन्न योजनाओं का संचालन हो रहा है, जिससे कहीं न कहीं सभी व्यक्तियों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हो रहा है। इस शोध के महत्व के अन्तर्गत प्रधानमंत्री की शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थी कितने जागरूक हैं ? इसका पता लगाने हेतु प्रस्तुत शोध विषय का चयन किया गया है।

3. समस्या कथन –

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन ।

4. सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन –

श्रीवास्तव (2020) ने मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की प्राथमिक शालाओं की नामांकन व उपस्थिति पर मध्याह्न पोषाहार के असर के अध्ययन में पाया कि इस योजना का लड़कियों के नामांकन, उपस्थिति व ठहराव पर असर पड़ा है।

मांडलिया, चौबीसा; नागदा (2018) ने एस.आई.ई.आर.टी. के एक शोध *''उदयपुर जिले में संचालित अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों की स्थिति एवं उनकी उपलब्धि का नामांकन पर प्रभाव''* विषय पर शोधकार्य किया हैं।

4.1. शोध का अन्तराल :

सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन करने के पश्चात् यह पाया गया कि पूर्व में हुए शोधों में शिक्षा से संबंधित अनेक प्रकार के शोध किये गये है, लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं से सम्बन्धित कोई भी शोध कार्य शोधार्थी की दृष्टि में देखने को नहीं मिल रहा है।

5. तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण –

प्रस्तुत शोध कार्य में समस्या से संबंधित प्रमुख शब्द अग्र लिखित है–

- **किशोर विद्यार्थी –** किशोर विद्यार्थियों से तात्पर्य 13–19 वर्ष के विद्यार्थी से है। ये विद्यार्थी कि ोरावस्था से युवावस्था की ओर उन्मुख होते हैं। उनका संवेगात्मक संतुलन व मानसिक स्वास्थ्य विभिन्न कारकों से प्रभावित रहता है।
- **जागरूकता –** जागरूकता से तात्पर्य स्वयं को और स्वयं की क्षमताओं को पहचानना तथा शक्ति और क्षमताओं के आधार पर अपना अस्तित्व बनाना।
- **शैक्षिक योजनाएं –** इसका अर्थ एक शैक्षिक कार्यों को ऐसी व्यवस्था देने से हैं जिसमें उपलब्ध साधनों एवं सामान का क्रमबद्ध उपयोग किया जा सके। शैक्षिक विकास हेतु उपलब्ध साधनों एवं सामग्री का अधिकतम उपयोग इस प्रकार करना है कि एक निर्धारित समय में शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति की जा सके।

6. शोध के उद्देश्य –

क. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन करना।

ख. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन करना।

ग. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री स्कूल योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन करना।

घ. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन करना।

7. शोध की परिकल्पनाएं –

क. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता नहीं

पाई जाती है।

ख. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता नहीं पाई जाती है।

ग. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री स्कूल योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता नहीं पाई जाती है।

घ. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजकेशन लोन योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता नहीं पाई जाती है।

8. शोध हेतु प्रयुक्त शोध विधि –

प्रस्तुत अनुसंधान में 'सर्वेक्षण विधि' का चयन किया गया हैं।

9. शोध में जनसंख्या एवं न्यादर्श –

9.1. जनसंख्या – राजस्थान के जयपुर जिले के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शहरी व ग्रामीण विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया।

9.2. न्यादर्श – प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा जयपुर जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 600 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया। प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा यादृच्छिक विधि से न्यादर्श का चयन किया गया।

जयपुर जिले के समस्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

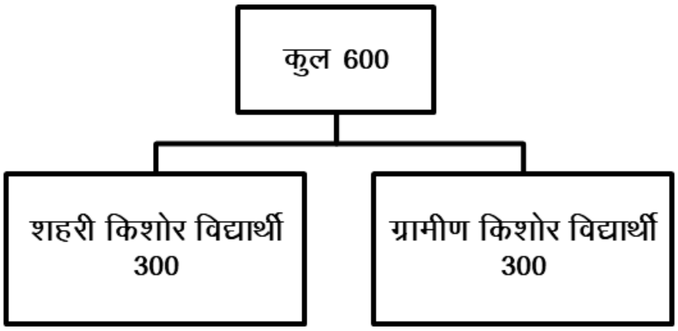

10. शोध में प्रयुक्त उपकरण –

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया हैं।

11. शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी –

प्रस्तावित शोध में प्रतिशत, मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया हैं।

12. शोध के चर –

- स्वतंत्र चर : प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता।
- आश्रित चर : किशोर विद्यार्थी।

13. शोध का सीमांकन –

- यह शोधकार्य समग्र शिक्षा अभियान, पीएम श्री स्कूल योजना एवं प्रधानमंत्री विद्या लक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना तक सीमित रखा गया हैं।
- यह शोध अध्ययन जयपुर जिले के ग्रामीण व शहरी किशोर विद्यार्थियों तक सीमित रखा गया। प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा उच्च माध्यमिक स्तर के 600 किशोर विद्यार्थियों का चयन किया गया हैं।

Anusandhanvallari
Vol 2024, No.1
December 2024
ISSN 2229-3388

14. तथ्यों का विश्लेषण एवं व्याख्या –

प्रस्तुत अध्ययन में इस शोधकार्य के अन्तर्गत एकत्रित विभिन्न तथ्यों का विश्लेषण करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष अथवा परिणाम निकालने का प्रयास किया गया है।

14.1. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता का अध्ययन :

सारणी संख्या– 1.

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता का मध्यमान एवं मानक विचलन

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति जागरूकता	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति कुल जागरूकता	600	244ण्88	23ण्279
समग्र शिक्षा योजना	600	80ण्05	8ण्792
पी.एम श्री विद्यालय योजना	600	79ण्76	8ण्874
पी.एम. विद्यालक्ष्मी योजना	600	85ण्07	9ण्609

आरेख संख्या– 1

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता का मध्यमान

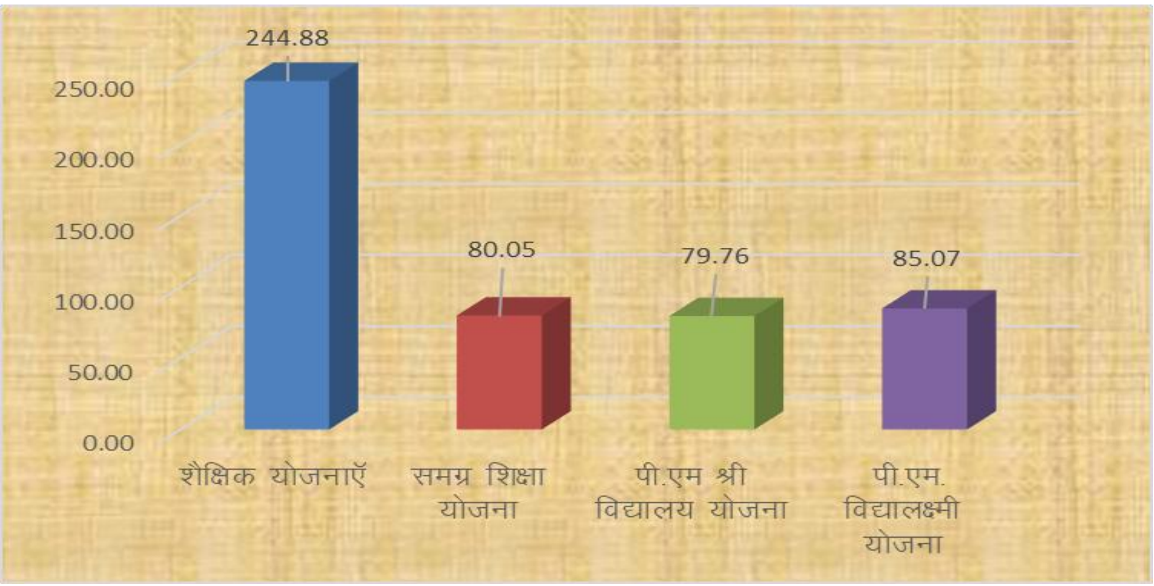

उपरोक्त सारणी संख्या 1. से परिलक्षित होता है कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता का मध्यमान 244ण्88 एवं मानक विचलन 23ण्279 है, जो कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता मापनी के औसत मान 180 (कुल 60 कथन, प्रत्येक कथन का अधिकतम मान 5 तथा न्यूनतम मान 1, अतः 60’5त्र

300 + 60'1त्र60 300+60 ⁄ 2 त्र 360 ⁄ 2त्र180) से बहुत अधिक है। अतः स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता के प्राप्तांकों का कुल मध्यमान औसत से अधिक है। अतः शोध की परिकल्पना ''प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता नहीं पाई जाती है''— अस्वीकृत की जाती है।

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता का मध्यमान 80ण05 एवं मानक विचलन 8ण792 है, जो कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता मापनी के औसत मान 60 (कुल 20 कथन, प्रत्येक कथन का अधिकतम मान 5 तथा न्यूनतम मान 1, अतः 20'5त्र 100 + 20'1त्र20 100+20 ⁄ 2 त्र 120 ⁄ 2त्र60) से बहुत अधिक है। अतः स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता के प्राप्तांकों का कुल मध्यमान औसत से अधिक है।

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री विद्यालय योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता का मध्यमान 79ण76 एवं मानक विचलन 8ण874 है, जो कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री विद्यालय योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता मापनी के औसत मान 60 (कुल 20 कथन, प्रत्येक कथन का अधिकतम मान 5 तथा न्यूनतम मान 1, अतः 20'5त्र 100 + 20'1त्र20 100+20 ⁄ 2 त्र 120 ⁄ 2त्र60) से बहुत अधिक है। अतः स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री विद्यालय योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता के प्राप्तांकों का कुल मध्यमान औसत से अधिक है।

प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. विद्यालक्ष्मी ऋण योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता का मध्यमान 85ण07 एवं मानक विचलन 9ण609 है, जो कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. विद्यालक्ष्मी ऋण योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता मापनी के औसत मान 60 (कुल 20 कथन, प्रत्येक कथन का अधिकतम मान 5 तथा न्यूनतम मान 1, अतः 20'5त्र 100 + 20'1त्र20 100+20 ⁄ 2 त्र 120 ⁄ 2 त्र 0) से बहुत अधिक है। अतः स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. विद्यालक्ष्मी ऋण योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में कुल जागरूकता के प्राप्तांकों का कुल मध्यमान औसत से अधिक है। **उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि** प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं यथाः समग्र शिक्षा अभियान, पी.एम. श्री विद्यालय योजना एवं पी.एम. विद्यालक्ष्मी ऋण योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों में जागरूकता औसत से अधिक पाई गई।

15. शोध निष्कर्ष —

क. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही शैक्षिक योजनाओं के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का स्तर औसत से अधिक पाया गया।
ख. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही समग्र शिक्षा अभियान के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का स्तर औसत से अधिक पाया गया।
ग. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही पी.एम. श्री स्कूल योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता का स्तर औसत से अधिक पाया गया।
घ. प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी एजुकेशन लोन योजना के प्रति किशोर विद्यार्थियों की जागरूकता स्तर औसत से अधिक पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ

[1] सैनी, रामनिवास (2017), हरियाणा के माध्यमिक स्कूलों में सर्व शिक्षा अभियान का गुणात्मक अध्ययन, पिरिओडिक रिसर्च, वॉल्यूम 6, इश्यू 2, नवम्बर 2017 पेज नं. 80 से 88 ।
[2] भोवी, मंजूला, पंडित (2017) ए स्टडी ऑन परर्फोमेन्स ऑफ सर्व शिक्षा अभियान इन इण्डिया, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवान्स एजुकेशन एण्ड रिसर्च आई.एस.एस.एन. 2455—5746, वॉल्यूम 2, इश्यू 2, मार्च 2017 पेज नं. 78—80।
[3] राजपूत, रेणु (2009), जयपुर जिले की सरकार द्वारा चलायी जा रही शैक्षणिक योजनाओं के विषय पर अध्ययन, जयपुर : शोध कार्य राजस्थान विश्वविद्यालय।